

### इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन के विमानों की दुर्घटनाएं

6051. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1959 से एयरलाइन्स कारपोरेशन के कितने विमान दुर्घटनाओं से क्षतिग्रस्त हुए ;

(ख) इन दुर्घटनाओं में कितने व्यक्ति मरे, कितने घायल हुए ; और

(ग) कारपोरेशन को इन दुर्घटनाओं से कितनी हानि हुई और कितनी राशि प्रतिकर के रूप में दी गई ?

पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) से (ग). अपेक्षित सूचना देने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT-709/69]

### इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन

6052. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन को वर्ष 1967-68 में कितना लाभ हुआ ; और

(ख) ऋणों के भुगतान की किस्तों और अन्य खर्चों को ध्यान में रखते हुए कारपोरेशन को कितना लाभ हुआ अथवा हानि हुई ?

पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख). 1967-68 के दौरान इंडियन एयरलाइन्स को 38.11 लाख रुपये की शुद्ध हानि (नेट लॉस) हुई।

### इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन द्वारा किया गया व्यय

6053. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इंडियन एयरलाइन्स कार-

पोरेशन ने वर्ष 1967-68 में अपने कर्मचारियों को वेतन, भत्तों और समयोपरि भत्ते के भुगतान के रूप में अलग-अलग कुल कितनी राशि व्यय की ?

पर्यटन तथा असेनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : इंडियन एयरलाइन्स ने 1967-68 में वेतन, भत्तों तथा समयोपरि भत्ते पर 1046.71 लाख रुपया व्यय किया, जिसमें से 925.76 लाख रुपया वेतन तथा भत्तों पर और 138.95 लाख रुपया अतिरिक्त उड़ान वेतन सहित समयोपरि भत्ते पर व्यय किया गया। वेतन तथा भत्तों के अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

### State Lotteries

6054. SHRI BABURAO PATEL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of India have permitted lotteries to be conducted in Haryana, Kerala, Madras, Punjab, Rajasthan and Maharashtra subject to the condition that tickets of a State lottery shall not be sold in another State without the express consent of that State; and

(b) if emotional integration is over to be achieved between the States, the reason for imposing this condition, which violates the fundamental right to trade guaranteed under Article 19(1)(g) seeing that a lottery is a trading enterprise by a State?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) The Government of India have permitted all the States, wishing to conduct State lotteries, to do so, subject to the condition that the tickets of such a lottery will not be sold in other States without the express consent of that State Government.

(b) Government are advised that the protection of articles 19(1)(g) and 301 of the Constitution of India, is not applicable to lotteries.